बुंदेलखंड में खमीर मैन्युफैक्चरिंग मेगा प्लांट की स्थापना का रास्ता साफ

ब्रिटिश कंपनी को चित्रकूट में यूपीसीडा के बरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में आवंटित की गई 68 एकड़ भूमि

400 करोड़ रुपये निवेश, 5000 लोगों को मिलेगा रोजगार

> एबीएम इंडिया कंपनी के उद्योग स्थापित करने से स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी अपने उत्पाद के लिए गन्ना व गेहूं की खरीद आसपास के किसानों से सीधे करेगी। इससे किसानों को आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा। यूपीसीडा ने कोविड-19 महामारी के दौरान प्रदेश में 191 इकाइयों को 167 एकड़ भूमि आवंटित की है। इससे 1457 करोड़ रुपये निवेश व 19596 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। – **मयूर माहेश्वरी, सीईओ यूपीसीडा**

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। बुंदेलखंड में खमीर (यीस्ट) मैन्युफैक्चरिंग का मेगा प्लांट स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। यूपीसीडा ने ब्रिटिश कंपनी एबीएम को चित्रकूट में यूपीसीडा के बरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में 68 एकड़ भूमि आवंटित की है। इस प्रोजेक्ट की स्थापना पर 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा और 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकेगा।

यूपीसीडा के एक अधिकारी ने बताया कि इंग्लैंड का एबीएम ग्रुप बेकरी व मसाला से जुड़ी सामग्री के उत्पादन से जुड़ा है। कंपनी बुंदेलखंड की इकाई में प्रति वर्ष 33 हजार मिलियन टन ईस्ट का उत्पादन करेगी। कंपनी को निवेश मित्र पर आवेदन आने के 15 दिन में भूमि आवंटित कर दी गई है। ईस्ट इकाई की स्थापना ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट के तौर पर होगी। यहां जर्मनी व स्पेन की मशीनों को स्थापित कर ईस्ट का उत्पादन जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर किया जाएगा।

अधिकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के निर्देश पर केंद्र के आत्म निर्भर भारत अभियान में प्रदेश की अग्रणी भूमिका के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान पिछड़े क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीति बनाई गई थी। कंपनी का निवेश इस पहल की बड़ी उपलब्धि है। इससे बुंदेलखंड क्षेत्र को विकास के प्रयासों को गति मिली है। कंपनी न सिर्फ आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देगी बल्कि खमीर का निर्यात भी होगा।